



गजट नं० एस. डब्ल्यू./एन. पी. 881

साइसेन्स नं० डब्ल्यू पी०-41

गवर्नमेन्ट ऑफ़ यूपीट्टी एन्ड प्रोविन्सल एन्ड

सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग--4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, सोमवार, 27 मार्च, 1989

चैत्र 6, 1911 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

पंचायती राज अनुभाग-1

संख्या 603/33-1—33-88

लखनऊ, 27 मार्च, 1989

अधिसूचना

प्रकीर्ण

प०स०—530

संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग, करके राज्यपाल उत्तर प्रदेश पंचायत सेवा नियमावली, 1978 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:

उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी सेवा (प्रथम संशोधन) नियमावली, 1989

1—(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी सेवा (प्रथम संशोधन) संक्षिप्त नाम और नियमावली 1989 केही जायगी। प्रारम्भ

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

नियम 1 के रूप नियम (1) का संशोधन 2—उत्तर प्रदेश पंचायत सेवा नियमावली, 1978 में जिसे प्राग् उक्त नियमावली कहा गया है, स्तम्भ-1 में दिया गया नियम (1) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायगा:—

स्तम्भ—1

वर्तमान नियम

यह नियमावली "उत्तर प्रदेश पंचायत सेवा नियमावली 1978" कही जायेगी।

स्तम्भ—2

एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ 1—(1) यह नियमावली 10 नवम्बर, 1981 से उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी सेवा नियमावली, 1978 कही जायगी।

नियम 2 और 3 (छ) का संशोधन

3—उक्त नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम 2 और 3 (छ) के स्थान पर नीचे स्तम्भ-2 में दिये गये नियम रख दिये जायेंगे:—

स्तम्भ—1

वर्तमान नियम

सेवा की प्रास्थिति

2—उत्तर प्रदेश पंचायत सेवा सेवा की प्रास्थिति समूह "घ" के पद सम्मिलित है।

स्तम्भ—2

एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम

2—उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी सेवा एक अराजकपत्रित सेवा है जिसमें समूह "ग" के पद समाविष्ट है।

परिभाषाएं

3 (छ)—"सेवा" का तात्पर्य उत्तर प्रदेश पंचायत सेवा सेवा से है।

3—(छ) "सेवा" का तात्पर्य उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी सेवा से है।

नियम-3 में खण्ड (ज) और (झ) का बढाया जाना

4—उक्त नियमावली में नियम-3 में खण्ड (क) के नीचे निम्नलिखित खण्ड (ज) और (झ) बढा दिये जायेंगे अर्थात्:—

(ज) "मौलिक नियुक्ति" का तात्पर्य सेवा के संदर्भ में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति से है जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात् की गयी हो और यदि कोई नियम न हो तो सरकार द्वारा जारी किये गये कायदेवालाक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात् की गयी हो।

(झ) "भर्ती का वर्ष" का तात्पर्य किसी कलेण्डर वर्ष की पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बाख्शना सकी अवधि से है।

नियम 4 के उप नियम 2 का संशोधन

5—उक्त नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिशा गया नियम-4 के उप नियम (2) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायगा:—

स्तम्भ—1

वर्तमान नियम

4—(2) सेवा की सदस्य संख्या जब तक कि उप नियम (1) के अधीन उसमें परिवर्तन करने के आदेश न दिये जायें 8792 होगी; परन्तु—

(1) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को बिना भरे हुये छोड़ सकते हैं या राज्यपाल प्रास्थगित रख सकते हैं।

(2) राज्यपाल ऐसे अतिरिक्त स्थायी या अस्थायी पदों का सृजन कर सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझें।

स्तम्भ—2

एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम

4—(2) जब तक कि उप नियम (1) के अधीन उसमें परिवर्तन करने के आदेश न दिये जायें सेवा की सदस्य संख्या 8806 होगी; परन्तु—

(1) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को बिना भरे हुये छोड़ सकते हैं या राज्यपाल उसे प्रास्थगित रख सकते हैं जिससे कोई व्यक्ति प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।

(2) राज्यपाल ऐसे अतिरिक्त स्थायी या अस्थायी पदों का सृजन कर सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझें।

नियम 8 और 18 का संशोधन

6—उक्त नियमावली में नियम-8 और 18 में पदनाम "पंचायत सेवा" के स्थान पर "पदनाम" "ग्राम पंचायत अधिकारी" रख दिया जायगा।

7-उक्त नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम 10 के स्थान पर स्तम्भ-2 में नियम 10 का दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात:- संशोधन

स्तम्भ-1

वर्तमान नियम

10- भर्ती के लिये अभ्यर्थी की आयु जिस वर्ष भर्ती की जानी हो, उस वर्ष की पहली जनवरी की यदि पर पहली जनवरी से 30 अथवा की अवधि में विशिष्ट किये जायं और पहली जुलाई को यदि पर पहली जुलाई से 31 दिसम्बर की अवधि में विशिष्ट किये जायं, 18 वर्ष की हो जानी चाहिये और 27 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ऐसी अन्य श्रेणियों के जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जायं, अभ्यर्थियों की दशा में उच्चतर आयु सीमा उतने वर्ष अधिक होगी जितनी निर्दिष्ट की जाय।

टिप्पणी:-आयु के शिथिलीकरण के संबंध में शासनादेशों की प्रतियां परिशिष्ट-"ख" में दी गयी हैं।

8-उक्त नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम-15 के उपनियम (1) और (2) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये उप नियम (1) और (2) रख दिये जायेंगे:- संशोधन

स्तम्भ-1

वर्तमान नियम

15-(1) चयन के लिये विचारार्थ आवेदन-पत्र विहित प्रपत्र में दिये जायेंगे।

(2) सजा पदों के लिये अभ्यर्थियों का चयन राज्य के प्रत्येक जिले के मुख्यालय पर एक चयन समिति द्वारा किया जायेगा जिसमें निम्नलिखित होंगे:-

(क) अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (विकास) / जिला विकास अधिकारी,

(ख) जिला परिषद् का कोई अधिकारी या सदस्य,

(ग) जिला पंचायत राज अधिकारी।

टिप्पणी-समिति का अध्यक्ष अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (विकास) / जिला विकास अधिकारी होगा।

जिला पंचायत, राज अधिकारी समिति का सचिव होगा।

9-उक्त नियमावली में स्तम्भ-1 में दिये गये नियम 21 के (उपनियम 2) के स्थान पर नियम 21 (2) स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा:- संशोधन

स्तम्भ-1

वर्तमान नियम

21-(2) इस नियमावली के प्रारम्भ के समय सेवा में पद का वेतनमान 175-3-205-दो रो-4-225-दो रो-5-250ह0 होगा परन्तु संवनों के 20 प्रतिशत-पदों का वेतनमान 195-3-225-दो रो-4-245-दो रो-6-275 ह0 होगा।

वेतनमान

पद का नाम

ग्राम पंचायत अधिकारी

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

10-सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी की आयु जिस वर्ष भर्ती की जानी है उस वर्ष की पहली जुलाई को 18 वर्ष की हो जानी चाहिये और 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ऐसी अन्य श्रेणियों के जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जायं, अभ्यर्थियों की दशा में उच्चतर आयु सीमा उतने वर्ष अधिक होगी जितनी निर्दिष्ट की जाय।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

15-(1) चयन के लिये विचारार्थ आवेदन पत्र नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उसके द्वारा विहित रीति से आर्माहित किये जायेंगे।

(2) भर्ती के प्रयोजन के लिये एक चयन समिति का गठन किया जायेगा जिसमें निम्नलिखित होंगे:-

(एक) सजागीव उप निदेशक (पंचायत)-अध्यक्ष,

(दो) सम्बद्ध जिला परिषद् के अपर मुख्य अधिकारी-सदस्य,

(तीन) जिला पंचायत राज अधिकारी-सदस्य/सचिव

सहायक पदों के लिये अभ्यर्थियों का चयन राज्य के प्रत्येक जिले के मुख्यालय पर किया जायेगा।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

21-(2) इस नियमावली के प्रारम्भ होने के समय पर निम्नलिखित वेतनमान होंगे:-

वेतनमान

330-7-365-8-380-दो रो-8-405-9-450-दो रो-9-495

रूपथा।

पारवें शीर्षक और नियम 27 का अदाया जाना

19—उक्त नियमावली में, नियम-24 और 25 के सामने प्रथमः "पक्ष सम्बंध" और "अन्य विषयों का विनियमन" रख दिये जायें और नियम-26 के नीचे निम्नलिखित मया नियम 27 अदाया जायेगा ;

"धारा 27—इस नियमावली की किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे धारक्षण और अन्य शिवायतों पर नहीं पड़ेगा जिसका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये अदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों की अन्य विशेष श्रेणियों के लिये उपबन्ध किया जाना अपेक्षित हो।"

भारत से,

डा० इन्दू प्रकाश ऐरन,

सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 603/XXXIII-1-33-88 dated 27 March, 1989.

No. 603/XXXIII-1-33-88

Dated Lucknow, March 27, 1989

THE UTTAR PRADESH GRAM PANCHAYAT ADHIKARI SERVICE (FIRST AMENDMENT), RULES, 1989

In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution the Governor is pleased to make the following rules to amend the Uttar Pradesh Panchayat Sewak Service Rules, 1978.

- Short title and commencement 1. (1) These rules may be called the Uttar Pradesh Gram Panchayat Adhikari Service (First Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force at once.
- Amendment of sub-rule (1) of rule 1 2. In the Uttar Pradesh Panchayat Sewak Service Rules, 1978, herein after referred to as the said rules, for the rule 1(1) as set out in Column 1 below, the rule as set out in Column 2 below shall be substituted:—

COLUMN 1 Existing Rule	COLUMN 2 Rules as hereby substituted
1. (1) These rules may be called, "The Uttar Pradesh Panchayat Sewak Service Rules 1978".	1. (1) These rules may be called "The Uttar Pradesh Gram Panchayat Adhikari Rules, 1978, with effect from November 10, 1981.

Amendment of rule 2 and 3(g) 3. In the said rules, for rules 2, and 3 (g) as set-out in Column 1 below the rules as set-out in Column 2 below shall be substituted:

COLUMN 1 Existing Rule 2	COLUMN 2 Rules as hereby substituted
2. The Uttar Pradesh Panchayat Sewak Service is a non-Gazetted Service comprising Group 'D' posts.	2. The Uttar Pradesh Gram Panchayat Adhikari Service is a non-Gazetted Service comprising Group 'C' posts.
3. (g) "Service" means the Uttar Pradesh Panchayat Sewak Service.	3. (g) "Service" means the Uttar Pradesh Gram Panchayat Adhikari Service.

Insertion of new clauses (h) and (i) in rule 3 4. In the said rules, in rule 3, the following clauses (h) and (i) shall be inserted below clause (g), namely:—

(h) "substantive appointment" means an appointment, not being an *ad hoc* appointment, on a post in the cadre of the Service, made after selection in accordance with the rules and, if there are no rules, in accordance with the procedure prescribed for the time being, by executive instructions issued by the Government.

(1) "year of recruitment" means the period of twelve months commencing from the first day of July of a calendar year.

5. In the said rules, for sub-rule (2) of rule 4 as set-out in Column 1 below, the sub-rule as set out in Column 2 shall be substituted:— Amendment of sub rule 2 of rule 4

COLUMN 1
Existing Rules

4. (2) The strength of the service shall until orders varying the same are passed under sub-rule (1), be 8792.

Provided that—

(1) the appointing authority may leave unfilled or the Governor may hold in abeyance any vacant post.

(2) the Governor may create such additional permanent or temporary posts as he may consider proper.

COLUMN 2

Rules as hereby substituted

4. (2) The strength of the service shall, until orders varying the same are passed under sub-rule (1), be 8806.

Provided that—

(1) the appointing authority may leave unfilled or the Governor may hold in abeyance any vacant post without thereby entitling any person to compensation;

(2) the Governor may create such additional permanent or temporary posts as he may consider proper.

6. In the said rules, in rules 8 and 18 for the designation *Panchayat Sewak*, the designation *Gram Panchayat Acharya* shall be substituted. Amendment of rule 8 and 18

7. In the said rules, for rule 10 as set out in column 1 below the rule as set out in Column 2 shall be substituted. Amendment of rule 10

COLUMN 1

Existing Rules

10. A candidate for recruitment must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of more than 27 years on January of the year in which recruitment is to be made, if the posts are advertised during the period January 1 to June 30 and on July 1, if the posts are advertised during the period July 1 to December 31.

Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled castes, Scheduled Tribes and such other categories as may be notified by the Government from time to time shall be greater by such number of years as may be specified.

COLUMN 2

Rules as hereby substituted

10. A candidate for direct recruitment must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of more than 30 years on July 1 of the year in which recruitment is to be made.

Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled castes, Scheduled Tribes and such other categories as may be notified by the Government from time to time shall be greater by such number of years as may be specified.

NOTE- Copies of the Government Orders regarding relaxation in age are given in Appendix B

8. In the said rules, for sub-rules (1) and (2) of rule 15, as set-out in Column 1 below, the sub-rules (1) and (2) as set-out in Column 2 shall be substituted. Amendment of rule 15

COLUMN 1
Existing Rules

Procedure for Direct Recruitment 15. (1) Applications for being considered for selection shall be given in the prescribed form.

COLUMN 2

Rules as hereby substituted

Procedure for Direct Recruitment 15. (1) Applications for being considered for selection shall be called by the appointing authority in the manner prescribed by him.

COLUMN 1
Existing Rules

(2) The selection of candidates for all the posts shall be made at the Headquarters of each district of the State by the Selection Committee consisting of the following :

- (i) The Additional District Magistrate (D)/ District Development Officer.
- (ii) An officer of the member of the Zila Parishad.
- (iii) District Panchayat Raj Officer.

NOTE—The Chairman of the Committee shall be A. D. M. (D)/D.D.O. the District Panchayat Raj Officer will be the Secretary of the Committee.

Amendment of rule 21 (2)

9. In the said rules, for sub-rule (2) of rule 21 as set out in Column 1 below the rule as set out in Column 2 shall be substituted:

COLUMN 1
Existing rule

Scale of pay] 21. (2) The scales of pay of the post in service at the time of the commencement of these rules, will be Rs. 175-3-205 E. B. 4-225—E. B.—250, provided that the 20 per cent of the post of the cadre shall be in the scale of Rs. 195-3-225— E.B.—4-245— E. B. 6-275.

COLUMN 2

Rules as hereby substituted

2. For the purpose of recruitment, there shall be constituted a Selection Committee comprising :

- (i) Divisional Deputy Director (Panchayat) —Chairman
- (ii) Apar Mukhya Adhikari of the concerned Zila Parishad —Member
- (iii) District Panchayat Raj Officer —Member/Secretary.

The selection of candidates for all the posts shall be made at the Headquarters of each districts of the State.

COLUMN 2

Rules as hereby substituted

21. (2) The scales of pay at the time of the commencement of these rules, are given as follows :

Name of Post	Scale of pay
Gram Panchayat Adhikari	Rs. 330-7-365-8-380—E. B.—8-405-9-450—E. B.—9-495.

Insertion of marginal headings and rule 27

10. In the said rules, marginal headings "Connassing" and "Regulation of other matters" shall be inserted against rules 24 and 25 respectively, and the following new rule 27 shall be inserted below rule 26 :

Saving

"27. Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders of the Government issued from time to time in this regard.

By order,
Dr. I. P. ARON,
Sachiv.